Dr. M. Jha,
Dept of Sociology
V.S. College, Vijaynagar.

B.A. part-III sociology (H)
Industrial sociology, paper - VI

Question - स्वचालनीकरण की परिभाषा देते हुए उसके गुण-दोष पर प्रकाश डालिए।

Answer - स्वचालनीकरण अंग्रेजी के शब्द ऑटोमेशन (Automation) का हिंदी रूपान्तर है। ऑटोमेशन का शब्दकोशीय अर्थ है स्वयं चलने वाला यंत्र (self-moving-machine) इस प्रकार ऑटोमेशन स्वयं चलने वाली मशीनों की ओर संकेत करता है।

ऑटोमेशन (Automation) या स्वचालनीकरण एक नया शब्द है। इसका प्रयोग औद्योगिक क्षेत्र में नई मशीनों के आविष्कार के कारण किया जाता है। उत्पादन-प्रक्रिया में इस शब्द का सबसे पहले प्रयोग 1936 में किया गया था।

स्वचालनीकरण का मानवीय उद्विकास एवं औद्योगिक क्रान्ति के क्षेत्र में प्रमुख स्थान रहा है। स्वचालनीकरण का सामान्य सम्बन्ध परिवर्तन युक्त विकास की गति से होता है। विकास की गति को ऊपर बढ़ाने में स्वचालनीकरण का भूमिका उल्लेखनीय है। आज विश्व के सभी प्रगतिशील औद्योगिक देशों में स्वचालित मशीनों की स्थापना पर बल दिया जा रहा है। इसका कारण यह है कि ये मशीनें मनुष्य की तुलना में अधिक ईमानदारी से काम करती हैं।

आधुनिक युग में उद्योगों में स्वचालनीकरण का अर्थ सिर्फ अपने आपने चलने वाले यंत्र के प्रयोग तक सीमित नहीं है बल्कि इसका अर्थ उद्योगों के विभिन्न स्तरों के मध्य संयोजन (combinations) से है। इसका उद्देश्य मानव-श्रम की सहायता के बिना, किसी बाधा के बिना अधिक उत्पादन कार्य करना है। इसीलिए इसे उद्योग जगत में इसे उत्पादन का नवीन ढंग कहा जाता है।

Encyclopaedia Americana में कहा गया है कि "स्वचालन प्रौद्योगिक निर्माण तथा वैज्ञानिक खोजबीन की वह तकनीक है, जिसका आविर्भाव यंत्र और भारी उत्पादन की अवधारणाओं से हुआ है"

इससे स्पष्ट परिभाषा Goodman ने इस प्रकार दी है "स्वचालनीकरण स्वचालित क्रियाओं की प्रौद्योगिकी है जिसमें संचालन पद्धतियों, प्रक्रियाओं और उत्पादन मालों की रूपरेखा का समन्वय विचारों और प्रयत्नों के यन्त्रीकरण का उपयोग करने के लिए किया जाता है। अतएव स्वचालनीकरण उद्योगों में स्वचालित यन्त्रों के उपयोग और परिणामस्वरूप भारी मात्रा में उत्पादन के रूप में ली जा सकती है।"

Merits -

स्वचालनीकरण द्वारा निम्नलिखित लाभ सामने आए हैं :-

1. अनुसंधान को प्रोत्साहन -

स्वचालनीकरण द्वारा वैज्ञानिक खोज और अनुसंधान को प्रोत्साहित किया गया है। स्वचालनीकरण स्वयं वैज्ञानिक अनुसंधान की देन है। विभिन्न वैज्ञानिक विधियों का ज्ञान अनुसंधान से प्राप्त किया जाता है।

2. श्रम उत्पादकता में वृद्धि -

स्वचालनीकरण में स्वचालित मशीनें स्वयं में श्रम का उत्पन्न करती है। हजारों श्रमिकों का काम मशीन कर लेती हैं और एक व्यक्ति एक ही समय में अनेक प्रकार का काम स्वचालित मशीनों से कर लेता है।

3. कार्यक्षमता में वृद्धि - स्वचालनीकरण में कार्यक्षमता एवं कार्यकुशलता में वृद्धि होती है। सभी कार्य अत्यन्त सरल हो जाते हैं तथा शारीरिक परिश्रम भी सामान्यतया सरल हो जाते हैं।

4. खतरों से मुक्ति :- निर्माण कार्यों में भाप और दबाव का खतरा सदैव बना रहता है लेकिन स्वचालनीकरण द्वारा इन खतरों पर नियंत्रण किया जा रहा है।

5. जीवन वृद्धि - अत्यधिक परिश्रम, ताप, धुएँ, चमक से सभी श्रमिक के नेत्र और दिमाग को प्रभावित करता है। स्वचालनीकरण के कारण मशीनों द्वारा सभी काम किया जाता है, फलतः श्रमिक के आयु एवं जीवन में वृद्धि बनी रहती है।

6. उत्पादन में वृद्धि - स्वचालित मशीन निर्धारित समय में अधिकाधिक उत्पादन करता है और श्रमिकों के प्रबन्ध एवं समस्या पर भी ध्यान रखा जाता है।

7. रहन-सहन के स्तर में सुधार - स्वचालनीकरण में जहाँ अधिक उत्पादन होता है वहीं श्रमिक के शारीरिक एवं मानसिक क्षमता का अपहरण कम होता है जिससे श्रमिक को उचित दाम एवं प्रशान्त का अनुदान मिलता है। जो रहन-सहन का स्तर बढ़ाता है।

Demerits

स्वचालनीकरण से निम्न दोष या हानियों सामने आती है :-

1. बेरोजगारी - स्वचालनीकरण में मशीन द्वारा काम होता है जिससे श्रमिक की आवश्यकता काफी कम होती है फलतः देश में बेरोजगारी की समस्या पैदा होती है।

Scanned with Cam

2. विकास में असंतुलन: स्वचालनीकरण द्वारा विकास अवरुद्ध होता है क्योंकि उद्योगों का क्षेत्र व्यापक है वहीं कार्य का क्षेत्र भी फैला हुआ है अतएव सभी क्षेत्रों और उद्योगों में सिर्फ मशीन द्वारा विकास संभव नहीं है जिससे औद्योगिक विकास में असन्तुलन बना रहता है।

3. वंशानुगत कुशलता में कमी —
स्वचालनीकरण के कारण कारीगरों की वंशानुगत कुशलता में कमी आयी है पहले परम्परागत मशीन से वंशगत का हस्तान्तरण होता था जिसे अब परिवर्तित कर दिया गया है।

4. एकाधिकार में वृद्धि— स्वचालनीकरण में पूँजीपति का पूँजी, मशीन, उत्पादन और व्यापार पर एकाधिकार हो जाता है। जो समाज में व्यक्तिवाद को जन्म दिया है।

5. सामंजस्य का अभाव —
स्वचालनीकरण के कारण नवीन एवं प्राचीन संस्थाओं से सामंजस्य की समस्या बन गयी है जिससे सम्पूर्ण व्यवस्था प्रभावित हुई है।

भारत एक विकासशील देश की ओर बढ़ रही है। अतएव, व्यक्तिगत उद्योगों के क्षेत्र में स्वचालनीकरण की आवश्यकता बन गयी है जिससे रोजगार एवं नवीन उत्पादन क्षेत्र का विस्तार होगा। इस दिशा में प्रयास अपेक्षित है

Scanned with Cam